# Post Graduate Curriculum Framework

With effect from the Academic Session 2026–27, the **M.A. (SANSKRIT)** programme in the Universities of Bihar shall be offered in accordance with the UGC Curriculum and Credit Framework for Postgraduate Programmes (PGCF) and the provisions of the National Education Policy (NEP), 2020.

The programme provides flexibility to students to pursue either a Two-Year Master's Degree Programme or a One-Year Master's Degree Programme for candidates who have completed a four-year undergraduate degree with the requisite credits and qualifications as prescribed by UGC.

The curriculum is designed under the Choice Based Credit System (CBCS) and comprises a combination of Core Courses (CCs), Discipline Specific Electives (DSEs), Generic Electives (GEs), Skill Enhancement Courses (SECs), Ability Enhancement Courses (AECs), and Value Added Courses (VACs). The programme seeks to impart advanced theoretical knowledge, computational proficiency, research aptitude, and practical skills in Statistics and its applications.

Each academic year shall consist of two semesters. Students shall be required to successfully complete the prescribed combination of Core, Elective (Discipline/Generic/Open), Skill Enhancement, Ability Enhancement, and Value-Added Courses in each semester to fulfil the credit requirements of the programme.

The curriculum incorporates contemporary developments in (SANSKRIT), including (Sanskrit Knowledge Tradition and Its Applications in Contemporary Society). The syllabus and reading materials shall be reviewed periodically to ensure alignment with emerging developments in academia, research, industry, and public policy.

Teaching-learning methodologies may include lectures, tutorials, seminars, laboratory sessions, statistical computing exercises, case studies, project work, field-based applications, and research assignments. Practical training shall provide hands-on experience in the use of statistical software packages, data analysis techniques, computational tools, and real-world problem-solving.

Assessment shall be conducted through a combination of continuous evaluation and end-semester examinations, including assignments, presentations, practical examinations, projects, viva-voce examinations, and written tests, as prescribed by the authorities concerned from time to time.

Students shall have the opportunity to choose elective and generic courses in accordance with their academic interests, subject to the availability of courses and institutional regulations, thereby promoting interdisciplinary learning and specialization within the broad domain of (SANSKRIT).

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

01/07/2026

Smita Kumari
01.07.2026

# COURSE OF STUDIES

## [SANSKRIT]

| | |
|---|---|
| **Programme Level** | Master of Arts (MA) |
| **Subject / Discipline** | [SANSKRIT] |
| **Faculty** | [Faculty of Humanities] |
| **University** | Universities of Bihar Established under the BSU AC 1976/PU Act 1976. |
| **Duration** | Two Years / Four Semesters |
| **NHEQF Level** | Level 6.5 |
| **Effective from** | 2026-27 onwards |

## A PART A — PROGRAMME OVERVIEW & OBJECTIVES

### A.1 Graduate Attributes (GAs)

The programme nurtures the following Graduate Attributes in alignment with the National Higher Education Qualifications Framework (NHEQF) Level 6.5:

- **विषयगत विशेषज्ञता एवं अंतर्विषयक जागरूकता (Disciplinary Expertise and Interdisciplinary Awareness)** -विद्यार्थी संस्कृत भाषा, साहित्य, दर्शन, व्याकरण एवं भारतीय ज्ञान-परम्परा का गहन ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा इतिहास, भाषाविज्ञान, दर्शन, शिक्षा, योग एवं अन्य विषयों के साथ उसके अंतर्सम्बन्धों को समझने में सक्षम होंगे।
- **विश्लेषणात्मक चिंतन एवं प्रमाणाधारित निर्णय क्षमता (Analytical Reasoning and Evidence-based Judgement)** -विद्यार्थी संस्कृत ग्रन्थों, शास्त्रीय सिद्धान्तों एवं साहित्यिक कृतियों का तार्किक, समालोचनात्मक एवं प्रमाण-आधारित विश्लेषण कर सुविचारित निष्कर्ष प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
- **स्वतंत्र अनुसंधान एवं अन्वेषण अभिमुखता (Independent Research and Inquiry Orientation)** -विद्यार्थी शोध-पद्धति, पाण्डुलिपि-अध्ययन, पाठालोचन तथा अकादमिक लेखन के माध्यम से स्वतंत्र अनुसंधान करने एवं नवीन ज्ञान के सृजन में योगदान देने में समर्थ होंगे।
- **डिजिटल एवं सूचना साक्षरता (Digital and Information Literacy)** -विद्यार्थी डिजिटल संसाधनों, ई-पाण्डुलिपियों, ऑनलाइन डेटाबेस, शोध-सॉफ्टवेयर तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का प्रभावी एवं नैतिक उपयोग कर ज्ञानार्जन और शोध कार्य सम्पन्न कर सकेंगे।
- **प्रभावी संप्रेषण एवं सहयोगात्मक कौशल (Effective Communication and Collaborative Skills)** –विद्यार्थी संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रभावी मौखिक एवं लिखित संप्रेषण करने, शैक्षणिक प्रस्तुतियाँ देने तथा टीम-आधारित परियोजनाओं एवं सामूहिक अधिगम गतिविधियों में सफलतापूर्वक सहभागिता करने में सक्षम होंगे।
- **नैतिक आचरण एवं उत्तरदायी नागरिकता (Ethical Conduct and Responsible Citizenship)** -विद्यार्थी भारतीय ज्ञान-परम्परा में निहित सत्य, अहिंसा, कर्तव्यनिष्ठा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरणीय चेतना जैसे मूल्यों को आत्मसात कर नैतिक एवं उत्तरदायी नागरिक के रूप में समाज के विकास में योगदान देंगे।
- **वैश्विक दृष्टि एवं अंतर-सांस्कृतिक दक्षता (Global Awareness and Cross-cultural Competence)** -विद्यार्थी संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति के वैश्विक महत्व को समझते हुए विविध संस्कृतियों के प्रति सम्मान, सहिष्णुता एवं संवादशीलता विकसित करेंगे तथा वैश्विक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में सार्थक योगदान देने में सक्षम होंगे।

मनीष कुमार झा 01/07/26 01/07/2026 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## A.2 Programme Outcomes (POs)

The Programme Educational Objectives describe the career and professional accomplishments that graduates are expected to attain within three to five years of graduation.

### PO 1: अनुसन्धान, नवाचार एवं व्यावसायिक ज्ञान (Professional Knowledge)

- शिक्षा के दार्शनिक, समाजशास्त्रीय, राजनीतिक एवं आर्थिक आधारों के ज्ञान का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- पाण्डुलिपि के सर्वेक्षण, अध्ययन एवं सम्पादन के माध्यम से प्राचीन भारतीय विपुल ज्ञान वैभव को समसामयिक परिप्रेक्ष्य में व्याख्या करना।
- अनुवाद, मीडिया, सांस्कृतिक उद्योगों तथा प्रशासन से संबंधित व्यवसायों में संस्कृत-ज्ञान एवं कौशलों का प्रभावी अनुप्रयोग करना।
- मौलिक एवं सृजनात्मक रचनाएँ, अनुवाद तथा प्रस्तुतियों का प्रदर्शन करना।
- उच्च शिक्षा एवं रोजगार हेतु आवश्यक व्यावसायिक, रोजगारपरक तथा सौम्य (Soft) कौशलों में दक्षता प्रदर्शित करेंगे।
- वैश्विक शोध प्रविधि के परिप्रेक्ष्य में संस्कृत शोधप्रविधि के महत्त्व का मूल्यांकन।
- डिजिटल उपकरणों एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से संस्कृत-ज्ञान के प्रचार-प्रसार एवं प्रासंगिकता का विश्लेषण।

### PO 2: आलोचनात्मक एवं संज्ञानात्मक कौशल (Critical and Cognitive Skills)

- छात्रों में संस्कृत वाङ्मय का अन्तर्विषयात्मक, प्रवाहपूर्ण, व्यावहारिक, मूल्यपरक एवं समाजोपयोगी ज्ञान विकसित करना।
- संस्कृत शास्त्रीय ज्ञान के अध्ययन के माध्यम से छात्रों के सृजनात्मक, आलोचनात्मक तथा विश्लेषणात्मक प्रज्ञा का विकास करना ।
- भारतीय दर्शन, संस्कृति, धर्म तथा परम्पराओं की गहन समझ का प्रदर्शन।

### PO 3: डिजिटल, संप्रेषणीय एवं अंतर्विषयक कौशलों का विकास

- साहित्य सर्जना के लिए उपादेय साधनों का ज्ञान पूर्वक साहित्य निर्माण की क्षमता का विकास।
- भाषाकौशल के माध्यम से विकसित भाषिक संस्कार एवं भाषाकौशल के नैपुण्य का प्रदर्शन।
- मूल ग्रंथों के अध्ययन, अनुवाद तथा परियोजना-कार्य के माध्यम से अनुसंधान, अभिरुचि एवं स्वतंत्र अध्ययन-कौशल का विकास।
- लेखन, अनुवाद, संवाद तथा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सृजनात्मक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन।

### PO 4: नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक नेतृत्व एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संवर्धन ।

- नैतिक सिद्धान्तों का अनुप्रयोग करेंगे तथा व्यावसायिक नैतिकता, उत्तरदायित्वों एवं मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करेंगे।
- वैदिक सूक्तों के अध्ययन, मनन एवं जीवन में अनुकरण से राष्ट्र प्रेम, शुद्ध सात्विक स्नेह, शुभ सङ्कल्प,आध्यात्मिक चेतना जैसे उपादेय मानवीय गुणों एवं अन्यान्य नैतिक मूल्यों का संवर्धन करना।
- संस्कृत साहित्य में वर्णित लोकजीवन, लोकमङ्गल,लोकपरम्परा, विश्वशान्ति, विश्वबन्धुत्व एवं विज्ञान के विविध आयामों के माध्यम से भारतीयज्ञान परम्परा के प्रति व्यापक दृष्टि को विकसित करना।
- रंगमञ्च एवं अभिनय कौशल के द्वारा छात्रों में सौन्दर्य बोध को विकसित करना।
- भाषिक संस्कार के माध्यम से चरित्र निर्माण का विकास करना।
- आजीवन अधिगम, नैतिक एवं बौद्धिक विकास तथा सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करना।

## A.3 Programme Specific Outcomes (PSOs)

Upon successful completion of this programme, a student shall demonstrate the following learning outcomes:

**PSO 1:** वेद, दर्शन एवं साहित्य एवं अन्य भारतीय विद्याशाखाओं की गहन अवधारणा का विकास।

**PSO 2:** श्रवण, वाचन, भाषण एवं लेखन संबंधी संप्रेषण-कौशल क्षमता का संवर्धन।

**PSO 3:** संस्कृत तथा वैदिक संस्कृत ग्रन्थों का विश्लेषण, गहन अध्ययन एवं विमर्श के माध्यम से उपलब्ध शोध का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की दृष्टि का विकास।

**PSO 4:** वेद, दर्शन, व्याकरण, काव्यशास्त्र, धर्मशास्त्र आदि संस्कृत साहित्य की बहुविषयी (Multidisciplinary) प्रासंगिकता का समुचित ज्ञान एवं समझ का प्रदर्शन।

**PSO 5:** संस्कृत भाषा के अंतर्विषयी (Interdisciplinary) स्वरूप एवं उसकी विविध क्षेत्रों में उपयोगिता के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन।

मनीष कुमार झा 01/07/26 01/07/2026 01/07/2026 Sneha Kumari 01.07.2026 24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

# B PART B — COURSE STRUCTURE (CBCS/NHEQF FRAMEWORK)

## B.1 Semester-wise Course Structure

The following table presents the full four-semester course structure. Column headings: L = **Lectures per week**; T = Tutorials per week; P = Practicals per week; CC = Core Course; DSE = Discipline Specific Elective; GE/OE = Generic/Open Elective; SEC = Skill Enhancement Course; PROJ = Project/Dissertation.

| S.No. | Paper Code | Title of the Course/Paper | L | T | P | Credits | Max. Marks | Type |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **SEMESTER I** | | | | | | |
| 1 | MASAN-CC101 | Core Course I: वैदिक वाङ्मय | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 2 | MASAN-CC102 | Core Course II: व्याकरण एवं भाषाविज्ञान | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 3 | MASAN-CC103 | Core Course III: काव्यशास्त्र | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 4 | MASAN-CC104 | Core Course IV: भारतीय दर्शन- सांख्य एवं वेदान्त | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 5 | MASAN - GE105/GE106 | Generic Elective I: (One course to be chosen from the basket I) | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | GE |
| 6 | | VAC/AEC/SEC | 2 | 0 | 0 | 2 | 100 | VAC/AEC/SEC |
| | | **Total — Semester I** | 17 | 5 | **0** | **22** | **600** | |
| | | **SEMESTER II** | | | | | | |
| 1 | MASAN-CC201 | Core Course I: नाट्यशास्त्र | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 2 | MASAN-CC202 | Core Course II: - पुराणेतिहास एवं धर्मशास्त्र | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 3 | MASAN-CC203 | Core Course III: संस्कृत पद्य काव्य | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 4 | MASAN-CC204 | Core Course IV: शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि संरक्षण | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | CC |
| 5 | MASAN - GE205/GE206/ | Generic Elective I: (One course to be chosen from the basket I) | 3 | 1 | 0 | 4 | 100 | GE |
| 6 | | VAC/AEC/SEC | 2 | 0 | 0 | 2 | 100 | VAC/AEC/SEC |
| | | **Total — Semester II** | **17** | **5** | **0** | **22** | **600** | |

मनीष कुमार झा 01/07/26 01/07/2026 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

| Particulars | Semester | Course Code | Course Title |
|---|---|---|---|
| **Basket I** | I | MASAN-GE105 | भारतीय ज्ञान परम्परा |
| | | MASAN-GE106 | संस्कृत छन्द : रचना एवं प्रयोग |
| | | MASAN-GE107 | संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना |
| **Basket II** | II | MASAN-GE205 | योग-विज्ञान |
| | | MASAN-GE206 | संस्कृत साहित्य एवं कला |
| | | MASAN-GE207 | प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति |

01/07/26 मनीष कुमार झा 01/07/2026 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

Smita Kumari

# C PART C — COURSES OF STUDIES

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC101** |
| **Title of the Paper** | Core Course I: : वैदिक वाङ्मय |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | वैदिक देवताओं का स्वरूप, सृष्टिविज्ञान, आध्यात्मिक चेतना का ज्ञान। |
| COB 2 | शुभ संकल्प एवं राष्ट्रप्रेम की कामना का वपन। |
| COB 3 | प्रेम एवं कर्तव्य का समन्वय, संसार की नश्वरता, सामाजिक मर्यादा एवं प्रकृति -मानव सम्बन्ध का बोध। |
| COB 4 | वैदिक शब्दों की कोटि का ज्ञान एवं वैदिक मन्त्रार्थ का प्रकाशन। |
| COB 5 | विविधार्थक वैदिक शब्दों का विश्लेषण। |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | वैदिक देवताओं की विशेषता, सृष्टिप्रक्रिया एवं आध्यात्मिकोन्नति की प्राप्ति। |
| CLO 2 | राष्ट्र की वैदिक अवधारणा एवं शुभ संकल्प से सिद्धि की विवेचना। |
| CLO 3 | विविध सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का प्रदर्शन। |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)



01/07/2026

मनीष कुमार झा
01/07/2026

Smriti Kumari
01.07.2026

| | |
|---|---|
| CLO 4 | वेदमन्त्रार्थ का सम्यक् व्याख्या। |

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: वैदिक वाङ्मय (MASAN-CC101) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | सूक्त-ऋग्वेद-इन्द्र(2.12), पुरुष(10.90), नासदीय(10.129)<br>यजुर्वेद- शिवसंकल्प(अध्याय-34,1-6)<br>अथर्ववेद- राष्ट्राभिवर्धन(1.29) | 9(L)+3(T) |
| II | संवाद सूक्तों का सामान्य अध्ययन- विश्वामित्र-नदी, पुरुरवा-उर्वशी,यम-यमी ,सरमा- पणि । | 9(L)+3(T) |
| III | ईशावास्योपनिषद्। | 9(L)+3(T) |
| IV | निरुक्त- पदों का चतुर्धा विभाजन एवं लक्षण, षड्भाव विकार, निरुक्त अध्ययन के प्रयोजन, निर्वचन के सिद्धान्त, मन्त्रों की अर्थवत्ता। | 9(L)+3(T) |
| V | निम्नलिखित शब्दों के निर्वचन- आचार्य, वीर, ह्रद, गो, समुद्र. वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks


1. शर्मा, उमाशंकर, सम्पा. (2019), ***ऋक्सूक्तनिकर,*** चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी।
2. शास्त्री, हरिदत्त, सम्पा. (1960), ***ऋक्सूक्तसंग्रह,*** साहित्यभंडार, मेरठ।
3. चानना, देवराज, सम्पा. (1983), ***ऋग्भाष्यसंग्रह,*** मुंशीलाल मनोहरलाल पब्लिशर्स, दिल्ली।
4. सत्यभूषण, योगी, सम्पा. (2002), ***वेदसमुल्लास,*** चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी।
5. लाल, कृष्ण, सम्पा., (1977), ***वैदिक संग्रह,*** ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. पाठक, जमुना, सिंह, उमेश प्रसाद, ***नवीन वैदिक संचयम(भागद्वय),*** सम्पा० व्या०, (2005), चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी ।
7. शर्मा, उमाशंकर, व्याख्या० (2019), ***निरुक्त,*** चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी ।
8. शास्त्री, छज्जूराम, व्याख्या०, (1985), ***निरुक्तपञ्चाध्यायी,*** *मेहरचन्द* लछमन दास, दिल्ली
9. द्विवेदी, कपिलदेव द्विवेदी, (2020) ***निरुक्त,*** साहित्य-भंडार, मेरठ।
10. तिवारी, शशि, व्या० (2016***), ईशावस्योपनिषद्,*** भारतीय विद्या प्रकाशन।


24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

01/07/26 01/07/2026 01/07/2026 01.07.2026

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC102** |
| **Title of the Paper** | Core Course II: व्याकरण एवं भाषाविज्ञान |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | संस्कृत भाषा का संरचनात्मक ज्ञान प्राप्त करना। |
| COB 2 | संक्षिप्त एवं सारगर्भित अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना। |
| COB 3 | संस्कृत व्याकरण के पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान। |
| COB 4 | संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण, स्वर-विन्यास तथा ध्वनि विज्ञान का शिक्षण । |
| COB 5 | भारतीय भाषाओं एवं वैश्विक भाषाओं का पारस्परिक अन्तःसम्बन्ध का बोध। |
| COB 6 | ध्वनिविज्ञान एवं अर्थविज्ञान के मूल सिद्धान्त के आलोक में विभिन्न भाषा-ध्वनियों, शब्दार्थों के साम्य-वैषम्य का अध्ययन करना। |
| COB 7 | संस्कृत एवं अन्य भाषाओं के अध्ययन एवं आलोचनात्मक चिंतन के विकास में भाषावैज्ञानिक सिद्धान्तों की उपयोगिता को समझना। |

मनीष कुमार झा 01/07/26 01/07/2026 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26



(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | संस्कृत भाषा की संरचना तथा उसके व्याकरण सम्बद्ध तत्त्वों का विश्लेषण। |
| CLO 2 | संक्षिप्त, स्पष्ट एवं प्रभावी रूप से अभिव्यक्ति के सामर्थ्य का विकास। |
| CLO 3 | पारिभाषिक शब्दों का प्रक्रियागत अनुप्रयोग कौशल की प्राप्ति। |
| CLO 4 | वेदमन्त्रार्थ का सम्यक् विवेचन। |
| CLO 5 | ध्वनिविज्ञान के मूल तत्त्वों तथा अर्थविज्ञान के प्रमुख अवधारणाओं का विश्लेषण । |
| CLO 6 | ध्वनिविज्ञान एवं अर्थविज्ञान के आधार पर विविध भाषाओं में ध्वनि एवं शब्दार्थ सम्बन्ध के प्रति स्पष्ट दृष्टि का विकास। |
| CLO 7 | वैश्विक भाषाओं के परिप्रेक्ष्य में भारतीय भाषाओं का वैज्ञानिक एवं तार्किक दृष्टि से अध्ययन एवं मूल्यांकन । |
| CLO 8 | भाषा-अध्ययन के प्रति शोधपरक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का विकास। |

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: व्याकरण एवं भाषाविज्ञान (MASAN-CC102) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | समास (लघुसिद्धान्तकौमुदी) । | 9(L)+3(T) |
| II | पाणिनीय शिक्षा । | 9(L)+3(T) |
| III | भाषा की परिभाषा, भाषा एवं बोली में अन्तर, भाषा तथा वाक् में अन्तर, वाक्य लक्षण एवं भेद, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर। | 9(L)+3(T) |
| IV | भाषा का वर्गीकरण- आकृति मूलक एवं पारिवारिक मूलक, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय। | 9(L)+3(T) |
| V | ध्वनिविज्ञान- ध्वनियों का वर्गीकरण, मानवीय ध्वनि यन्त्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान एवं वर्नर)<br>अर्थविज्ञान- अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ । | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks


1. शर्मा, गोविन्द प्रसाद शर्मा, व्या०, (2023), ***लघुसिद्धान्तकौमुदी,*** चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. शास्त्री, भीमसेन, व्या०, (2025) ***लघुसिद्धान्तकौमुदी,*** (भैमी व्याख्या), , भैमी प्रकाशन, दिल्ली ।
3. शास्त्री, धरानन्द, व्या०, (1977) ***लघुसिद्धान्तकौमुदी,*** मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली ।
4. अवस्थी, बच्चू लाल, भाष्य०, ***पाणिनीय शिक्षा,*** कालिदास अकादमी, उज्जैन ।
5. कौण्डिन्न्यायन, शिवराज आचार्य, व्या०, (2014), ***पाणिनीय शिक्षा,*** चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी ।


24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)



मनीष कुमार झा

01/07/2026 Smriti Kumari 01.07.2026

6. व्यास, भोलाशंकर, (1957) ***संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन***, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी ।
7. द्विवेदी, कपिलदेव, (2023), ***भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र,*** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
8. शर्मा, उमाशङ्कर, (2022) ***भाषाविज्ञान की रूपरेखा,*** चौखम्बा क्लासिका, वाराणसी ।

## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | MASAN-CC103 |
| **Title of the Paper** | Core Course III: काव्यशास्त्र(काव्यप्रकाश) |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | काव्य का स्वरूप, प्रयोजन, हेतु, भेद एवं काव्योपयोगी विविध साधनों से परिचय प्राप्त करना। |
| COB 2 | काव्यात्म तत्व के लोकोत्तर आनन्द की अनुभूतिजन्य सौन्दर्यबोध की प्राप्ति। |
| COB 3 | काव्य शरीर के सौन्दर्य साधन के रूप में अलङ्कारों का ज्ञान प्राप्त करना। |
| COB 4 | काव्य-सौन्दर्य का मूल्यांकन एवं उसकी समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना। |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | काव्य स्वरूप एवं साधन तत्त्वों के विवेचन की क्षमता का विकास। |
| CLO 2 | रस स्वरूप, रस-निष्पत्ति तथा रसविषयक वादों में पार्थक्य को समझते हुए उसके सम्यक् विवेचन का सामर्थ्य । |
| CLO 3 | रस तत्त्व के स्वरूप के परिज्ञान के पश्चात् काव्यगत प्रयोगजन्य आनन्दानुभूति का विश्लेषण। |
| CLO 4 | काव्य सौन्दर्य, भाव एवं कलात्मक पक्षों का विश्लेषण कर साहित्यिक एवं आलोचनात्मक दृष्टि का विकास। |

: मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026



24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: काव्यशास्त्र-काव्यप्रकाश (MASAN-CC103) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | मङ्गलाचरण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यलक्षण, काव्यभेद । | 9(L)+3(T) |
| II | शब्दशक्ति, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद। | 9(L)+3(T) |
| III | रस स्वरूप, उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद। | 9(L)+3(T) |
| IV | काव्यगुण, रसदोष। | 9(L)+3(T) |
| V | अलङ्कार- शब्दालङ्कार- वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष।<br>अर्थालङ्कार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर, संसृष्टि। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks


1. आचार्य, विश्वेश्वर, व्या०, (2020), ***काव्यप्रकाश,*** ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी ।
2. झलकीकरः, वामनः, (2020), ***काव्यप्रकाशः(बालबोधिनीसहितः),***चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी।
3. शर्मा, हरिशंकरः, टीका०(2019), ***काव्यप्रकाशः(नागेश्वरीटीकासमलङ्कृतः),*** चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
4. द्विवेदी, पारसनाथ, व्या० (1986*) काव्यप्रकाशः, विनोद* पुस्तक मन्दिर, आगरा।
5. मुसलगांवकर, गजानन, व्या०, (2016), ***काव्यप्रकाशः,*** चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी ।
6. दोतोलिया, सीताराम, टीका०, (2016), ***काव्यप्रकाशः,*** हंसा प्रकाशन, जयपुर ।
7. चतुर्वेदी, रघुनाथप्रसाद, व्या०, (2013), ***काव्यप्रकाशः,*** चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।


## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC104** |
| **Title of the Paper** | Core Course IV: भारतीय दर्शन -सांख्य एवं वेदान्त |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | सांख्य एवं वेदान्त के मूल सिद्धान्तों का ज्ञान प्राप्त करना। |
| COB 2 | आत्मा, प्रकृति, पुरुष, ब्रह्म, मोक्ष एवं चित्त जैसे दार्शनिक तत्त्वों के विषय में सम्यक् दृष्टि तथा जीवन के विभिन्न सन्दर्भों में प्रयोग। |
| COB 3 | भारतीय दार्शनिक ज्ञान-परम्परा की समकालीन प्रासंगिकता एवं बहुविषयक उपयोगिता का अध्ययन करना। |
| COB 4 | तार्किक विवेचन, आलोचनात्मक चिंतन एवं युक्तिसंगत निष्कर्ष प्रस्तुत करने की योग्यता का विकास करना। |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | भारतीय दर्शन की विभिन्न विचारधाराओं का तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक विश्लेषण की क्षमता का विकास। |
| CLO 2 | भारतीय दार्शनिक ज्ञान-परम्परा की समकालीन प्रासंगिकता एवं अन्य विषयों से अन्त:सम्बन्ध के विश्लेषण की क्षमता। |
| CLO 3 | अनुसंधान, प्रस्तुतीकरण एवं स्वतंत्र चिंतन की योग्यता का सामर्थ्य । |
| CLO 4 | नैतिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं एवं सांस्कृतिक चेतना से युक्त उत्तरदायी नागरिक के रूप में स्वयं का विकास। |

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026



24.7.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: भारतीयदर्शन- सांख्य एवं वेदान्त (MASAN-CC104) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | साङ्ख्य दर्शन का सामान्य परिचय,साङ्ख्य अध्ययन का प्रयोजन, सत्कार्यवाद, गुणत्रयवाद । | 9(L)+3(T) |
| II | प्रकृति सिद्धि, पुरुष सिद्धि, पुरुष बहुत्व, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग एवं कैवल्य । | 9(L)+3(T) |
| III | अद्वैत वेदान्त का सामान्य परिचय, अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान का स्वरूप एवं शक्ति। | 9(L)+3(T) |
| IV | अध्यारोप एवं अपवाद, लिङ्गशरीरोत्पत्ति, विवर्त, पञ्चीकरण । | 9(L)+3(T) |
| V | महावाक्य एवं मुक्ति। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbook

1. गौड़, पंडित ज्वालाप्रसाद, व्या०,(2013) ***सांख्यकारिका***, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी।
2. शास्त्री , श्री गुरुप्रसाद, शास्त्री आचार्य सीताराम, बालशास्त्री, व्या० 2022, ***सांख्यकारिका***, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी ।
3. चतुर्वेदी, ब्रजमोहन, व्या० (2022), ***सांख्यकारिका***, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. मुसलगांवकर, गजानंद शास्त्री,व्या०, (2022) ***वेदान्तसार***, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
5. मिश्र, आद्याप्रसाद, व्या०, (2022), ***वेदान्तसार***, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. श्रीवास्तव, सत्यनारायण, व्या०, (2019), ***वेदान्तसार***, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
7. शास्त्री, राकेश, व्या०, 2004; ***वेदान्तसार***, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली ।

## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

अध्यक्ष: मनीष कुमार झा 01/07/2026

Smile Kumari 01.07.2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-GE105** |
| **Title of the Paper** | GE- I: **भारतीय ज्ञान परम्परा** |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | General Elective (GE) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | — | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | — | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | छात्रों को भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित कराना । |
| COB 2 | विश्व को भारत की देन से परिचित कराना । |
| COB 3 | भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति छात्रों में गौरव की भावना उत्पन्न करना । |
| COB 4 | प्राचीन भारतीय विज्ञान, गणित, तकनीक, योग, आयुर्वेद एवं शतरंज जैसे विविध विषयों का परिचयात्मक ज्ञान देना। |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | छात्र भारतीय ज्ञान परंपरा का विश्लेषण करेंगे । |
| CLO 2 | छात्र भारत द्वारा विश्व को दी गई देन की व्याख्या करेंगे। |
| CLO 3 | छात्र भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की समृद्धि में भारतीय विज्ञान, गणित, एवं तकनीक का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे । |
| CLO 4 | आधुनिक समय में योग, आयुर्वेद एवं शतरंज के महत्त्व का विश्लेषण कर सकेंगे । |

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026



24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: भारतीय ज्ञान परम्परा (MASAN-GE105) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | **भारतीय ज्ञान परम्परा** - स्वरूप, अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, ज्ञान के स्रोत-श्रुति, स्मृति, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान एवं शब्द – (सामान्य अध्ययन)। | 9(L)+3(T) |
| II | **गणित** - आर्यभट्ट (शून्य, दशमलव, पाई), भास्कराचार्य (कलन का बीज), ब्रह्मगुप्त के नियम – (सामान्य अध्ययन)। | 9(L)+3(T) |
| III | **विज्ञान और तकनीक** - कणाद (परमाणु-सिद्धांत), वराहमिहिर (खगोल), सुश्रुत (सर्जरी) – (सामान्य अध्ययन)। | 9(L)+3(T) |
| IV | **आयुर्वेद** – चरक-संहिता (कायचिकित्सा), सुश्रुत-संहिता (शल्य-चिकित्सा), त्रिदोष सिद्धांत – (सामान्य अध्ययन)। | 9(L)+3(T) |
| V | **भारत का वैश्विक योगदान** - पंचतंत्र का 200 से अधिक भाषाओं में अनुवाद। योग, आयुर्वेद, शतरंज, बौद्ध दर्शन का चीन-जापान-तिब्बत में प्रभाव। आधुनिक युग में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत ISRO, AI(कृत्रिम बुद्धिमत्ता), स्टार्टअप का महत्त्व । (सामान्य अध्ययन) | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks


1. उपाध्याय बलदेव, 2010 , ***संस्कृत शास्त्रों का इतिहास***, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।
2. त्रिपाठी, कृष्ण चन्द्र(मुख्य समन्वयक), 2018, ***संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास,*** राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली.
3. कपूर, कपिल, 2025, ***भारतीय ज्ञान परंपरा का नैरंतर्य***, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. पांडेय, संदीप कुमार, 2025 ***भारतीय ज्ञान प्रणाली के वैज्ञानिक दृष्टिकोण***, वान्या पब्लिकेशंस, कानपुर ।
5. पांडेय, संदीप कुमार, 2025, ***भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम***, शिप्रा पब्लिकेशंस, नई दिल्ली ।
6. गौर, स्वाती, 2025, ***भारतीय ज्ञान परंपरा : एक विमर्श***, मीना बुक पब्लिकेशंस, नई दिल्ली ।
7. द्विवेदी, कपिलदेव,2004, ***वेदों में विज्ञान***, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर, भदोही।
8. Kapoor, Kapil (ed.), 2012, ***Encyclopedia of Hinduism***, Rupa publication, New Delhi (11 volume).
9. Kapoor, Kapil, Singh, Avadesh Kumar, (2021), ***Indian Knowledge Systems***, *D. K. Printworld Pvt. Ltd., New Delhi.*
10. ***Indian knowledge system***, 2025, IGNOU study material and guide, IGNOU solutions.


Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks,
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-GE106** |
| **Title of the Paper** | GE- II: **संस्कृत छन्दः रचना एवं प्रयोग** |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | General Elective(GE) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | — | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | — | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | संस्कृत छन्द के स्वरूप, महत्त्व एवं भेद को समझना । |
| COB 2 | वर्णवृत्त, मात्रावृत्त, मुक्तक छन्द की पहचान एवं गणना । |
| COB 3 | पिंगल सूत्र एवं छन्द ग्रंथों के आधार पर छन्द रचना । |
| COB 4 | काव्य में छन्द के सौंदर्य और प्रभाव का विश्लेषण करना । |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | लघु-गुरु, गण, यति, पाद की पहचान करने की क्षमता । |
| CLO 2 | छन्दोभंग ढूंढकर उसके परिष्कार का सामर्थ्य । |
| CLO 3 | विभिन्न छन्दों में निबद्ध पद्यों के शुद्ध उच्चारण के साथ गायन में दक्षता । |
| CLO 4 | विविध छन्दों के नियमों का अनुकरण कर पद्य निर्माण की क्षमता का विकास । |

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026



24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.5 Syliabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: संस्कृत छन्दः रचना एवं प्रयोग (MASAN-GE106) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | छन्द का अर्थ, छन्दशास्त्र का महत्व एवं वेदांग में स्थान वर्ण, मात्रा, लघु-गुरु, गण - यगण, मगण, तगण, रगण, जगण, भगण, नगण, सगण,यति, पाद, चरण, तुक की अवधारणा। | 9(L)+3(T) |
| II | प्रमुख छन्द-ग्रन्थों का परिचय - पिंगलकृत छन्दःसूत्र, जयदेवकृत छन्दोमंजरी, केदारभट्टकृत वृत्तरत्नाकर। गायन योग्य छन्द, सामवेद की गान परम्परा, ताल एवं लय । | 9(L)+3(T) |
| III | वर्णवृत्त-छन्दों के लक्षण एवं विविध ग्रंथों से उनके उदाहरणों का समन्वय ।<br>समवृत्त : अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसंततिलका।<br>अर्धसमवृत्त : पुष्पिताग्रा, वंशस्थ।<br>विषमवृत्त : मन्दाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित । अन्य प्रमुख छन्द (ऐच्छिक) । | 9(L)+3(T) |
| IV | मात्रावृत्त छन्दों के लक्षण एवं विविध ग्रंथों से उनके उदाहरणों का समन्वय।<br>आर्या छन्द, गीति, उपगीति, आर्यागीति, उपजाति (इन्द्रवज्रा+उपेन्द्रवज्रा का मिश्रण), दण्डक, भुजंगप्रयात । अन्य प्रमुख छन्द (ऐच्छिक) । | 9(L)+3(T) |
| V | **छन्दोगान** - वर्ण-गणना, गण-निर्माण, यति-विधान, लक्षण-समन्वय, छन्दोभंग (गुरु-लघु त्रुटि, वर्ण अधिक-कम) । दोष निवारण, काव्य में छन्द प्रयोग - रस के अनुसार छन्दों का प्रयोग - श्रृंगार में मन्दाक्रांता, वीर में शार्दूलविक्रीडित। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks

1. दास, गंगा (2017), छन्दोंमंजरी, चौखम्बा सुभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
2. भट्ट, केदार (2022), वृत्तरत्नाकर (हिन्दी टीका सहित), चौखम्बा सुभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
3. पिंगलाचार्य (1913), छन्दःसूत्र, जानकी नाथ काव्यतीर्थ & ब्रदर्स, कोलकाता ।
4. झा, रामचन्द्र (2015), छन्दोविंशतिका, चौखम्बा विद्या भारती, वाराणसी ।

## .8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा 01/07/2026

Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26



(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-GE107** |
| **Title of the Paper** | GE- III: संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester I |
| **Nature of Course** | General Elective (GE) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | छात्रों को भारतीय पर्यावरण विज्ञान की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना । |
| COB 2 | वेद, उपनिषद, पुराण, अर्थशास्त्र में निहित पारिस्थितिकी ज्ञान को आधुनिक संदर्भ से जोड़ना । |
| COB 3 | पर्यावरण संकटों के समाधान के लिए संस्कृत साहित्य के सतत विकास के सिद्धांतों का उपयोग सिखाना । |
| COB 4 | छात्रों में प्रकृति के प्रति मातृभाव और संरक्षण की नैतिक जिम्मेदारी विकसित करना । |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | पर्यावरण विज्ञान की परिभाषा, घटक और आधुनिक संकटों को संस्कृत शब्दावली में समझने का सामर्थ्य । |
| CLO 2 | वेद-उपनिषद् के ऋत, पंचतत्व, जल-स्रोत सिद्धांतों का वैज्ञानिक विश्लेषण की क्षमता । |
| CLO 3 | संस्कृत साहित्य के आधार पर स्थानीय पर्यावरण समस्या के समाधान की प्राप्ति । |
| CLO 4 | 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'यतो धर्मस्ततो जयः' को सतत विकास के मॉडल के रूप में स्वीकृति । |

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026



(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना (MASAN-GE107) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | **संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चिंतन-**<br>पर्यावरण विज्ञान – परिभाषा, क्षेत्र , आधुनिक संकट, मानव सभ्यता के विकास में पर्यावरण की भूमिका, पर्यावरण के विभिन्न नामों पारिस्थितिकी , पर्यावरण एवं प्रकृति विज्ञान के अर्थ और परिभाषाएं , पर्यावरण के मुख्य घटक – जैविक जगत् एवं भौतिक पदार्थ, पर्यावरण के भौतिक, जैविक एवं सांस्कृतिक तत्त्व , वर्तमान में पर्यावरण सम्बन्धी संकट एवं चुनौतियाँ, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, ओजोन परत का क्षरण, जनसंख्या विस्फोट, भूमिगत जल का गिरता स्तर, नदियों का प्रदूषण, वन का कटाव, प्राकृतिक आपदाएं-बाढ़, सूखा एवं भूकंप। | 9(L)+3(T) |
| II | **संस्कृत साहित्य में पर्यावरण की पृष्ठभूमि -**<br>संस्कृत साहित्य में पर्यावरण सम्बन्धी वैज्ञानिक दृष्टिकोण, वैदिक साहित्य में मातृभूमि की अवधारणा एवं नदियों की उपासना, प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षण, वनों में पौधारोपण और जल संरक्षण की तकनीक, पर्यावरण सम्बन्धी बौद्ध एवं जैन अवधारणा । | 9(L)+3(T) |
| III | **वैदिक साहित्य में पर्यावरण चेतना**<br>ब्रह्मांडीय व्यवस्था – सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के पर्यावरण के लिए ऋत का मार्गदर्शक शक्ति के रूप में वर्णन (ऋग्वेद-10.85.1), पर्यावरण के द्वारा आच्छादित ब्रह्माण्ड के 5 आधारभूत तत्त्वों का वर्णन–पृथिवी, जल, प्रकाश, वायु एवं ईथर (ऐतरेय उपनिषद्–3.3), छन्दांसि के रूप में प्रसिद्द पर्यावरण के 3 घटक–जल, वायु एवं ओषधि (अथर्ववेद-18.1.17), जल के 5 प्राकृतिक स्रोत– दिव्याः, स्रवन्ती, खनित्रिमा, स्वयंजाः, समुद्रार्थाः (ऋग्वेद-7.49.2) । | 9(L)+3(T) |
| IV | **पर्यावरण संरक्षण के 5 मौलिक स्रोत**<br>पर्वत, जल, वायु, पर्जन्य, अग्नि (अथर्ववेद-3.21,10), सूर्य के द्वारा पर्यावरण संरक्षण (ऋग्वेद-1.191.1-16), अथर्ववेद (2.32.1-6) एवं (यजुर्वेद-4.4, 10.6) ओजोन परत सम्बन्धी वैदिक अवधारणा – महत् उल्ब (ऋग्वेद-10.51.1), अथर्ववेद (4.2.8), उपनिषदों में पर्यावरण के अनुकूल जैविक जीवों का वर्णन बृहदारण्यकोपनिषद् (3.9.28), तैत्तिरीयोपनिद् (5.101), ईशोपनिषद् (1.1) । | 9(L)+3(T) |
| V | **संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता**<br>पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण – पुराणों में वृक्षारोपण एक पवित्र कार्य के रूप में वर्णित है (मत्स्यपुराण-59.159,153.512), (वराहपुराण-172.40), राजा के द्वारा वन में विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों का रोपण (शुक्रनीति-4.58-62), नवीन वृक्षों का रोपण एवं पुराने वृक्षों का संरक्षण का राजधर्म के रूप में निरूपण (अर्थशास्त्र-2.1.20), पौधों एवं वृक्षों को नष्ट करने पर दिए जाने वाले दण्ड (अर्थशास्त्र-3.19), भूमिगत जलस्तर में वृद्धि के लिए वृक्षारोपण (बृहत् संहिता–54.119) । | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

मनीष कुमार झा 01/07/2026 Sinita Kumari 01.07.2026



24.07.21
(Kalpana Srivasta
Officer-On-Special Duty (Ju

## C.6 Prescribed Textbooks


1. त्रिपाठी, कृष्ण चन्द्र(मुख्य समन्वयक), 2018, ***संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास,*** राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली.
2. द्विवेदी, कपिलदेव,2004, ***वेदों में विज्ञान,*** विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर, भदोही।
3. शास्त्री, उदयवीर (1968), ***कौटिलीय-अर्थशास्त्र*** (हिन्दी-अनुवाद), मेहरचन्द लछमनदास, दिल्ली ।
4. मिश्र ,बलदेव प्रसाद, ***बृहत्संहिता,*** वराहमिहिर, हिन्दी अनुवाद) खोमराज कृष्णदास प्रकाशन, मुम्बई ।
5. सातवलेकर, श्रीपाद दामोदर, 2007, ***यजुर्वेद (हिन्दी अनुवादसहित),***स्वाध्याय मण्डल ,पारडी।
6. सातवलेकर, श्रीपाद दामोदर,1990, ***अथर्ववेद (हिन्दी अनुवादसहित),***स्वाध्याय मण्डल ,पारडी।
7. मिश्र, ब्रह्मशंकर(1968), ***शुक्रनीति(हिन्दी-अनुवाद),*** चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी ।
8. शर्मा,जानकीनाथ, सम्पा.,2006 ***श्रीवाल्मीकीय रामायण-हिन्दी अनुवाद सहित,*** गीताप्रेस, गोरखपुर
9. Kangale. R.P. (1965), ***Arthashastra of Kautilya*** (ed.), Motilal Banarasidas, Delhi.
10. Shastri, H.P... ***Ramayana of Valmaki*** (3 Vols) H.H. Wilson.
11. ***Rgveda Samhiita*** (1946) - 6 Vols, London, 1952-59. Eng. Translation. Bangalore.


## .8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Smita Kumari
01.07.2026

मनीष कुमार झा
01/07/2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

# द्वितीय सत्र

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC201** |
| **Title of the Paper** | Core Course I: नाट्यशास्त्र |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester II |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | भारतीय नाट्यपरम्परा एवं नाट्यशास्त्र के मौलिक सिद्धान्तों एवं पारिभाषिक शब्दावली से परिचय प्राप्त करना। |
| COB 2 | प्रेक्षागृह के विविध प्रकार, निर्माण तकनीकि एवं अभिनय कौशल को आत्मसात करते हुए व्यावहारिक अनुप्रयोग करना। |
| COB 3 | रूपक के दश भेदों में साम्य-वैषम्य का अध्ययन करना। |
| COB 4 | रस सिद्धान्त के सम्प्रत्यय को समझते हुए नव रसों की विलक्षणता का विविध परिस्थिति में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना। |
| COB 5 | रूपक के विभिन्न पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं को जानना। |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | नाट्यशास्त्र के अनुसार चतुर्विध अभिनय कौशल का प्रदर्शन। |
| CLO 2 | रस, भाव के बोधानुकूल मुद्रा एवं भाव-भङ्गिमा कला को निपुणता के साथ प्रदर्शित करना। |



मनीष कुमार झा

01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

| | |
|---|---|
| CLO 3 | नाटकादि दश रूपकों में भेदबुद्धि का विकास। |
| CLO 4 | संस्कृत रूपकों की संरचनात्मक एवं कलात्मक विशेषताओं का अन्य भारतीय साहित्य पर पड़नेवाले प्रभाव का मूल्यांकन। |
| CLO 5 | रूपकों के अध्ययन क्रम में चारित्रिक विशेषता के आधार पर पात्रों की पहचान करने की दक्षता। |

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: नाट्यशास्त्र (MASAN-CC201) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | **नाट्यशास्त्र(द्वितीय अध्याय)**- नाट्यमण्डपों के भेद, प्रेक्षागृह की रचना एवं विविध स्वरूप, रंगशीर्ष, मत्तवारिणी, यवनिका । | 9(L)+3(T) |
| II | **नाट्यशास्त्रम्(षष्ठ अध्याय)**- रससूत्र, रसभेद, वृत्ति, प्रवृत्ति, सिद्धि, स्वर, वाद्य । | 9(L)+3(T) |
| III | **दशरूपक (प्रथम प्रकाश)**- मङ्गलाचरण, नाट्य की परिभाषा, नाट्य, नृत्य एवं नृत्त में भेद, रूपक के भेदक तत्त्व, अर्थप्रकृति, कार्यावस्था, नाट्यसन्धि, अर्थोपक्षेपक, नाट्यधर्म की अपेक्षा वस्तु का विभाग। | 9(L)+3(T) |
| IV | **दशरूपक (द्वितीय प्रकाश)**- नायक के गुण एवं भेद, श्रृंगारी नायक की अवस्थाएं, नायक के सहायक, नायक के सात्विक गुण, नायिका के भेद, नाट्य वृत्तियाँ। | 9(L)+3(T) |
| V | **दशरूपक (तृतीय प्रकाश)**- नाटक के आवश्यक अङ्ग, नाटक लक्षण, अन्य रूपक के लक्षण एवं उदाहरण। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbook

1. चतुर्वेदी, ब्रजमोहन, व्या०, (2022), ***नाट्यशास्त्र(प्रथम, द्वितीय एवं षष्ठ अध्याय),*** विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, भवभूति, व्या०,(2013) ***नाट्यशास्त्रम्,*** साहित्य मण्डल, मेरठ।
3. त्रिपाठी, राधावल्लभ, ,(2023) ***नाट्यशास्त्र,*** बानी प्रकाशन, भोपाल।
4. मुसलगांवकर, केशवराव, व्या०, मुसलगांवकर, राजेश्वर (सम्पा०), (2000), ***हिन्दी दशरूपक,*** चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी।
5. शास्त्री, श्रीनिवास,व्या०, (2015) ***दशरूपकम्*** ,साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. पाण्डेयः, बैजनाथः, व्या०, सम्पा०, (2015) ***दशरूपकम्,*** मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।
7. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, द्विवेदी, पृथ्वीनाथ, (1971), ***नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक,*** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (20 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks.
- Attendance & Class Participation: 05 marks.

मनीष कुमार झा 01/07/2026

Smita Kumari 01.07.2026



24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC202** |
| **Title of the Paper** | Core Course II: पुराणेतिहास एवं धर्मशास्त्र |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester II |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | सृष्टि, धर्म, आचार एवं लोककल्याण सम्बन्धी सिद्धान्तों को समझना। |
| COB 2 | त्याग, प्रेम, कर्तव्यनिष्ठा एवं परोपकार जैसे मानवीय मूल्यों का अवबोध। |
| COB 3 | भारतीय विधि व्यवस्था के विकासक्रम, प्रशासनिक व्यवस्था, आचार-व्यवस्था एवं अर्थव्यस्था के इतिहास का ज्ञान। |
| COB 4 | सुशासन, कूटनीति एवं लोककल्याण की अवधारणाओं की समझ। |
| COB 5 | नेतृत्व एवं प्रबंधन कौशल का अर्जन करना। |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | जनकल्याण, लोकाचार एवं धर्मपरायणता सम्बन्धी सिद्धान्तों की व्याख्या करना। |
| CLO 2 | त्याग,परोकर, पुण्याचरण एवं कर्तव्यनिष्ठा जैसे मानवीय मूल्यों का विकास। |
| CLO 3 | प्रशासनिक एवं न्यायवस्था के प्राचीन भारतीय स्वरूप एवं वर्तमान स्वरूप की तुलना करने में समर्थ। |
| CLO 4 | वर्तमान प्रजातन्त्र में सुशासन को सुनिश्चित करने के उपाय का विश्लेषण। |
| CLO 5 | कुशल नेतृत्व एवं जीवन प्रबन्धन कौशल का प्रदर्शन। |



01/07/2026
मनीष कुमार झा 01/07/2026
Sunil Kumar 01.07.2026

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: पुराणेतिहास एवं धर्मशास्त्र (MASAN-CC202) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | **रामायण-** विषयवस्तु, काल, रामायणकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणास्रोत, साहित्यिक महत्त्व । | 9(L)+3(T) |
| II | **महाभारत-** विषयवस्तु, काल, महाभारतकालीन समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए उपजीव्यता, साहित्यिक महत्त्व। | 9(L)+3(T) |
| III | **पुराण-** परिभाषा, महापुराण, उपपुराण, पौराणिक सृष्टिविज्ञान, पौराणिक आख्यान । | 9(L)+3(T) |
| IV | **प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय-** मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्य स्मृति । | 9(L)+3(T) |
| V | अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय एवं विनयाधिकरण। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbook

1. विद्यालङ्कार, प्राणनाथ, अनुवा०, **(1923) अर्थशास्त्र,** मोतीलाल बनारसी दास, लाहैर ।
2. शास्त्री , रामनारायण दत्त, अनुवा०, (2024) ***महाभारत,*** गीताप्रेस, गोरखपुर।
3. गैरोला, वाचस्पति, व्या०, (2013) ***कौटिल्य अर्थशास्त्रम्,*** चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
4. चतुर्वेदी, गिरिधर शर्मा, (1965) ***पुराणपारिजातः,*** *अखिलभारतीयसंस्कृतविद्यापीठम्, दिल्ली ।*
5. उपाध्याय, बलदेव, व्या०(2007), ***पुराण-विमर्श,*** चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
6. शर्मा, उमाशंकर, (2017) संस्कृत ***साहित्य का इतिहास,*** चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी।
7. शास्त्री, रामनारायण, अनुवा०, (2022) ***वाल्मीकि रामायण,*** गोरखपुर: गीता प्रेस ।
8. उपाध्याय, रामजी, (1958) ***वाल्मीकि रामायण में भारतीय संस्कृति,*** चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
9. भट्टाचार्य, सुखमय, (1959) ***महाभारत का सांस्कृतिक अध्ययन,*** **संस्कृत पुस्तक भण्डार, कोलकाता**

## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा 01/07/2026

Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## .1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC203** |
| **Title of the Paper** | Core Course III: संस्कृत पद्य काव्य |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester -II |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | बौद्ध दर्शन के मूल सिद्धान्तों का साहित्य के माध्यम से सहज उपदेश का ज्ञान। |
| COB 2 | संस्कृत महाकाव्य में वर्णित धार्मिक, सांस्कृतिक, नैतिक, एवं आध्यात्मिक मानवीय जीवन-मूल्यों का अध्ययन करना। |
| COB 3 | महाकवि माघ एवं श्रीहर्ष की काव्य प्रतिभा, काव्य वैभव, भाषा, शैली एवं काव्य सौन्दर्य का अध्ययन करना। |
| COB 4 | श्रीकृष्ण के द्वारा अधर्म, दुराचार, अहंकार का नाश एवं धर्म, न्याय की स्थापना के माध्यम से कल्याणकारी शासन का सम्प्रत्यय। |
| COB 5 | महाकाव्य के माध्यम से नल दमयन्ती के आदर्श पावन प्रेम, उदात्त दाम्पत्य जीवन, सूक्ष्म मानवीय भावनाओं का अवबोध । |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | भगवान बुद्ध के जीवन चरित्र से प्राप्त होनेवाले उपदेशों का विश्लेषण। |
| CLO 2 | विकसित मानवीय मूल्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन। |
| CLO 3 | महाकवि माघ एवं श्रीहर्ष के काव्यगत विशेषताओं की तुलनात्मक व्याख्या करना। |
| CLO 4 | महाकाव्य के माध्यम से लोककल्याणकारी राज्य एवं जन कल्याण की अवधारणा का विश्लेषण करना। |
| CLO 5 | मानवीय मूल्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन करना। |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)



01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026 मनीष कुमार झा 01/07/2026 01/07/26

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: संस्कृत पद्य काव्य - (MASAN-CC203) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | **बुद्धचरित**- सामान्य परिचय एवं प्रथम सर्ग (प्रारम्भिक 25 पद्य) | 9(L)+3(T) |
| II | **शिशुपालवध**- सामान्य परिचय एवं प्रथम सर्ग (प्रारम्भिक 18 पद्य) | 9(L)+3(T) |
| III | **शिशुपालवध**- प्रथम सर्ग (19 से 36 पद्य) | 9(L)+3(T) |
| IV | **नैषधीयचरित**- सामान्य परिचय एवं प्रथम सर्ग (प्रारम्भिक 15 पद्य) | 9(L)+3(T) |
| V | **नैषधीयचरित**- प्रथम सर्ग (16 से 35 पद्य) | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbook


1. शास्त्री,राकेश, व्या०, (2022), ***बुद्धचरितम्(प्रथमसर्गः),*** चौखम्भा ओरयन्टालिया, वाराणसी ।.
2. शुक्ल, जयनारायण, व्या०, (2025), ***बुद्धचरितम्(प्रथमसर्गः),*** हंसा प्रकाशन, जयपुर ।
3. पाण्डेय, जनार्दन शास्त्री, सम्पा०, (2017), ***शिशुपालवधमहाकव्यम्(प्रथमसर्गः)***, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।
4. शास्त्री,हरगोविन्द, व्या०, (2015) ***शिशुपालवधम्,*** चौखम्भा विद्याभवन,वाराणसी ।
5. मिश्र,आद्या प्रसाद,शुक्ल चन्द्रिका प्रसाद, व्या० 1969, ***शिशुपाल वध महाकाव्य(प्रथम सर्ग),*** संस्कृत साहित्य भण्डार, इलाहाबाद ।
6. रटाटे, जनार्दन गंगाधर, व्या०, (2019) ***शिशुपालवधम्(प्रथमसर्गः)***, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
7. पाठक, मुरली मनोहर, प्र. सम्पा०,भोई,शुकदेव,सम्पा०(,2024), ***शिशुपालवधः एक परिशीलन,*** श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
8. रेग्मी, शेषराज शर्मा, व्या०, (2016), ***नैषधीयचरितम्(प्रथमसर्गः),*** चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
9. पाण्डेय,आचार्य धुरन्धर, व्या०, (2012), ***नैषधीयचरितम् (प्रथमः सर्गः)***, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।
10. शर्मा, शिवदत्त, सम्पा०, (1998***), नैषधीयचरितम् (प्रथमभागः प्रारम्भतः चतुर्दशसर्गपर्यन्तम्)***, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान,लखनऊ।
11. शुक्ला, राम बहादुर, (2005), ***नैषधीयचरितम् की शास्त्रीय मीमांसा,*** ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।


## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks.
- Attendance & Class Participation: 05 marks

01/07/26 मनीष कुमार झा 01/07/2026 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026



24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-CC204** |
| **Title of the Paper** | Core Course IV- शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि संरक्षण |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester -II |
| **Nature of Course** | Core Course (CC) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | शोध-समस्या के चयन, सामग्री-संग्रह, विश्लेषण, व्याख्या, शोध प्रस्ताव, लघु शोधप्रबन्ध लेखन की दक्षता का विकास करना। |
| COB 2 | शोध के माध्यम से वैज्ञानिक, तार्किक एवं अनुसंधानपरक दृष्टिकोण का विकास करना |
| COB 3 | संस्कृत शोधप्रविधि की विशेषताओं से परिचित होना। |
| COB 4 | भारतीय ज्ञान- सम्पदा के संवर्धन एवं प्रकाशन में पाण्डुलिपि की भूमिका एवं महत्त्व का ज्ञान प्राप्त करना। |
| COB 5 | भारतीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहर के संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना। |
| COB 6 | पाण्डुलिपि में प्रयुक्त लिपियों का ज्ञान प्राप्त करना । |
| COB 7 | पाण्डुलिपि संरक्षण एवं सम्पादन जैसे अनुसन्धान कौशल का विकास। |

मनीष कुमार झा 01/07/26 01/07/2026 01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026

24.07.26



(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | शोध-प्रस्ताव, शोध-निबन्ध अथवा लघु-शोधकार्य तैयार करने की क्षमता का विकास । |
| CLO 2 | स्वतंत्र, वस्तुनिष्ठ एवं आलोचनात्मक दृष्टि से अनुसंधान करने का सामर्थ्य। |
| CLO 3 | संस्कृत को विविध भारतीय लिपि में लिखने की क्षमता का विकास । |
| CLO 4 | लिपि ज्ञान एवं सम्पादन कौशल के माध्यम से पाण्डुलिपि में निहित ज्ञान की व्याख्या करना। |
| CLO 5 | पाण्डुलिपियों के संरक्षण हेतु डिजिटलीकरण करना। |
| CLO 6 | प्राचीन ज्ञान-संपदा के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता एवं महत्त्व का प्रकाशन। |

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि संरक्षण (MASAN-CC204) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | **शोध** - अर्थ, पर्यायवाची शब्द (अनुसन्धान, गवेषणा, अन्वेषण), उद्देश्य, उपयोगिता, विविध आयाम, पद्धति, पात्रता एवं संस्कृत शोध प्रविधि। | 9(L)+3(T) |
| II | **शोध प्रक्रिया**- शोध क्षेत्र का चयन, निर्धारण, कृतकार्य का सर्वेक्षण, शोधविषयक परिकल्पना, शोधसामग्री सङ्कलन, प्रूफ संशोधन, शोधप्रारूप का निर्माण। | 9(L)+3(T) |
| III | **पाण्डुलिपि**- अर्थ, लेखन, प्रकार, संरक्षण, सम्पादन, पाठभेद, पाठालोचन के सिद्धान्त, पाठनिर्धारण। | 9(L)+3(T) |
| IV | प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों की प्रमुख विशेषता एवं प्रमुख संस्कृत पाण्डुलिपि ग्रन्थालय । | 9(L)+3(T) |
| V | आधुनिक संस्कृत शोध, शोध -संस्थान एवं प्रमुख संस्कृत शोध पत्रिकाएं। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbook


1. द्विवेदी, प्रभुनाथ, (2017), ***संस्कृत शोध-प्रविधि,*** शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. द्विवेदी, रहसबिहारी, पाठकः मुरलीमनोहरः(प्र०सम्पा०)-पाण्डेयःरामेशकुमारः(सम्पा०) (2023) ***अनुसन्धानसम्पादनप्रविधिः,*** श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली ।
3. पाण्डेयः, देवेन्द्रनाथः,पटेलः, ललितः, सम्पा० (2014), ***शोधप्रविधिः,*** जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर ।
4. वर्मा, हरिश्चन्द्र, (2020), **शोध प्रविधि,** हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
5. नगेन्द्रः, सम्पा०, (2018), ***अनुसन्धानस्य प्रविधिप्रक्रिया,*** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नवदेहली।
6. सत्येन्द्र, (2013), ***पाण्डुलिपि विज्ञान,*** राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
7. खड़गावत, महेन्द्र(प्र०सम्पा०), भनोत, शिवकुमार(सम्पा०) (2009) पाण्डुलिपि संरक्षण, राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर।


24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)



01/07/2026

मनीष कुमार झा
01/07/2026

Sunil Kumar
01.07.2026

## C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा
01/07/26
01/07/2026
01/07/2026
Smita Kumari
01.07.2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-GE205** |
| **Title of the Paper** | GE- I: योग-विज्ञान |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester II |
| **Nature of Course** | General Elective (GE) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | योग की मूल अवधारणा को समझना। |
| COB 2 | अष्टांगयोग एवं हठयोग के बारे में समझ विकसित करना । |
| COB 3 | शरीर और मन के स्वास्थ्य पर योग के वैज्ञानिक प्रभाव को जानना । |
| COB 4 | तनाव, रोग, तथा जीवनशैली विकार के परिहार में योग का प्रयोग करना । |
| COB 5 | योग को करियर एवं सामाजिक स्वास्थ्य से जोड़ना । |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | योग को विज्ञान के रूप में समझने की योग्यता आएगी । |
| CLO 2 | आसन-प्राणायाम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी । |
| CLO 3 | ध्यान-योग निद्रा से तनाव, चिंता, व्यग्रता कम होगी और एकाग्रता बढ़ेगी। |
| CLO 4 | सात्विक आहार, यम-नियम से दिनचर्या सुधरेगी, बुरी आदतें छूटेंगी। |
| COB 5 | योग प्रशिक्षक, वेलनेस कोच बन सकते हैं । |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)



01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026 मनीष कुमार झा

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: योग-विज्ञान (MASAN-GE205) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | योग की सामान्य परिभाषा, पतंजलि, गीता, उपनिषद् की दृष्टि, सामान्य परिचय – घेरंड-संहिता, नाथ-परम्परा, कर्मयोग (निष्काम कर्म) भक्तियोग (समर्पण), ज्ञानयोग (विवेक), राजयोग (मनोनिरोध) | 9(L)+3(T) |
| II | **अष्टांग**-योग, यम एवं नियम के अनुपालन से लाभ, आसन एवं प्राणायाम के विविध भेद, विधि एवं लाभ, नाड़ीज्ञान (इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना), योग-निद्रा, अंतर-मौन, अजपा-जप, साक्षी-भाव के प्रयोग से लाभ, ध्यान की विधि, समाधि की स्थिति । | 9(L)+3(T) |
| III | **हठयोग और शरीर-विज्ञान** – हठयोग (ह=सूर्य,ठ=चन्द्र), सामान्य परिचय : षट्कर्म - नेति, धौति, नौलि, बस्ति, कपालभाति एवं त्राटक, पंचकोश-अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय एवं आनंदमय, सप्तचक्र-मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनाहत, विशुद्धि, आज्ञा एवं सहस्रार, प्रमुख मुद्रा एवं बन्ध। | 9(L)+3(T) |
| IV | **शरीर-मन संबंध और स्वास्थ्य** - चेतन, अवचेतन, अचेतन मन। मनोदैहिक विकार – रक्तचाप, शुगर एवं एसिडिटी का मन से संबंध, हड्डी-जोड़, हृदय-स्वास्थ्य, रक्त-संचरण, श्वसन, पाचन, तंत्रिका, अंतःस्रावी तंत्र पर आसन-प्राणायाम का प्रभाव, त्रिदोष एवं रोग की अवधारणा, योग की निवारक तथा उपचारक भूमिका। | 9(L)+3(T) |
| V | **यौगिक जीवनशैली और अनुप्रयोग** – आहार-विज्ञान - सात्विक, राजसिक, तामसिक आहार, मिताहार, रोग में पथ्य-अपथ्य विचार, तनाव-प्रबंधन - तनाव के प्रकार, शरीर-मन पर तनाव का प्रभाव। यौगिक-विधि - शवासन, प्राणायाम (अनुलोम-विलोम, भ्रामरी), ध्यान। अपराध, नशा, मोबाइल एडिक्शन से मुक्ति में योग की भूमिका, यौगिक जीवनशैली से स्वस्थ समाज निर्माण । | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks


1. दास, स्वामी रामसुख (2025), ***पातंजल-योगसूत्र***, गीताप्रेस, गोरखपुर ।
2. स्वामी, विवेकानंद (2022), ***पातंजल-योगसूत्र***, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
3. स्वामी, स्वात्माराम, व्याख्याकार-ज्ञानशंकर सहाय (2020), ***हठयोग-प्रदीपिका***, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
4. स्वामी, करपात्री (2017), ***योगासन और प्राणायाम***, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. सरस्वती, स्वामी सत्यानंद (1997), ***योग की गतिशीलता***, योग पब्लिकेशन्स ट्रस्ट, बिहार स्कूल ऑफ योग, मुंगेर ।
6. सरस्वती, स्वामी सत्यानंद (1969), ***आसन प्राणायाम मुद्रा बंध***, योग पब्लिकेशन्स ट्रस्ट, बिहार स्कूल ऑफ योग, मुंगेर ।
7. दास, स्वामी रामसुख (2013), ***श्रीमद्भगवद्गीता***, गीता प्रेस, गोरखपुर ।
8. नागेंद्र, एच.आर. एवं नागरत्ना, आर. (2004), ***सकारात्मक स्वास्थ्य को बढावा के लिए योग***, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, SVYASA, बेंगलुरु ।
9. सरस्वती , स्वामी निरंजनानंद, ***प्राणायाम रहस्य —***, योग पब्लिकेशन्स ट्रस्ट, बिहार स्कूल ऑफ योग, मुंगेर ।
10. आयंगर, बी.के.एस. (2018), **पातंजल योगसूत्र,** प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।


Smita Kumari 01.07.2026

मनीष कुमार झा 01/07/2026



24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## 8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

मनीष कुमार झा 01/07/2026

Sneta Kumari 01.07.2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C1 Paper **Identification**

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-GE206** |
| **Title of the Paper** | GE- II: संस्कृत साहित्य एवं कला |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester II |
| **Nature of Course** | General Elective (GE) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | संस्कृत साहित्य एवं कला की अवधारणा और स्वरूप से परिचय । |
| COB 2 | संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय कला की ऐतिहासिक परम्परा, स्वरूप एवं विकास का अवबोध। |
| COB 3 | साहित्य, संगीत, नृत्य, नाट्य, चित्रकला, मूर्तिकला एवं स्थापत्य कला के अन्तःसम्बन्ध का ज्ञान । |
| COB 4 | संस्कृत साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति में निहित सौन्दर्य दर्शन का परिचय । |
| COB 5 | संस्कृत साहित्य के माध्यम से भारतीय कलाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं आधुनिक समय में महत्त्व के प्रति सचेत करना। |

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| CLO 1 | भारतीय कला के विकास में संस्कृत साहित्य की भूमिका का विश्लेषण करना। |
| CLO 2 | साहित्य और कला के अन्तःसंबंध का विश्लेषण करने का सामर्थ्य आ जाएगा। |
| CLO 3 | भारतीय संस्कृति की समृद्धि में संस्कृत साहित्य और कला की भूमिका के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी । |
| CLO 4 | भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, सौन्दर्यबोध तथा जीवन-दृष्टि को समझकर उनका विवेचन करना। |
| CLO 5 | प्रमुख ग्रन्थों एवं आचार्यों के कला-विषयक सिद्धान्तों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या करना। |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)



01/07/2026 01.07.2026 मनीष कुमार झा

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: संस्कृत साहित्य एवं कला (MASAN-GE206) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | भारतीय कला एवं संस्कृत साहित्य की अवधारणा: साहित्य एवं कला का स्वरूप, औचित्य, रचना कौशल एवं अन्त:सम्बन्ध का सामान्य ज्ञान। | 9(L)+3(T) |
| II | चतु:षष्टि कलाओं का सामान्य परिचय । | 9(L)+3(T) |
| III | नाट्य, नृत्त, नृत्य, अभिनय, संगीत, रीति, वृत्ति, प्रवृत्ति, सिद्धि, रस एवं भाव का सामान्य ज्ञान। | 9(L)+3(T) |
| IV | संस्कृत वाङ्मय में वर्णित संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक परम्पराओं का सामान्य बोध । | 9(L)+3(T) |
| V | संस्कृत साहित्य में वर्णित स्थापत्य कला, मूर्तिकला एवं चित्रकलाओं का सामान्य परिचय। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

## C.6 Prescribed Textbooks


1. त्रिपाठी, राधावल्लभ,(2023), ***नाट्यशास्त्र***, बानी प्रकाशन, भोपाल।
2. शर्मा, रामप्रताप, (2016), ***कलाविलास,*** ज्ञानमार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
3. दाधीच, पुरु, (2017), ***अभिनयदर्पण***, बिन्दु प्रकाशन, इंदौर।
4. सरस्वती, स्वामी जगदीश्वरानन्द, (2008), ***शुक्रनीति सार,*** राम लाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत, हरियाणा।
5. नारायण, कपिलदेव, (2024***) विष्णुधर्मोत्तरमहापुराणम्(प्रथमखण्ड:)***, चौखम्भा कृष्णदास एकेडमी, वाराणसी।
6. अग्रवाल, वासुदेव शरण, (2022) ***कला और संस्कृति,*** लोकभारती प्रकाशन (साहित्य भवन समूह), प्रयागराज ।
7. उपाध्याय, भगवत शरण, (1960***), साहित्य और कला,*** आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली।
8. वात्स्यायन, कपिला, (2017), ***पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ,*** नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया।
9. जुगनूं श्रीकृष्ण, शर्मा भंवर, सम्पा०(2011), ***समराङ्गणसूत्रधार,*** चौखम्भा संकृत सीरिज ऑफिस, वाराणसी ।
10. Coomaraswamy, Ananda K, **(1957), The Dance of Siva,** The Noonday Press, New York.
11. Kramrisch, Stella, (1981) ***Indian Sculpture***, Motilal Banarsidass.


## .8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Smita Kumari 01.07.2026

मनीष कुमार झा 01/07/2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C1 Paper Identification

| PAPER PROFILE | |
|---|---|
| **Paper Code** | **MASAN-GE207** |
| **Title of the Paper** | GE- III: प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति |
| **Programme / Subject** | MA — [SANSKRIT] |
| **Semester** | Semester II |
| **Nature of Course** | General Elective (GE) |
| **L – T – P** | 3 – 1 – 0 |
| **Credits** | 4 |
| **Maximum Marks** | 100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30) |
| **Duration of Examination** | 3 Hours |

## C.2 Marks Distribution

| Component | Paper | Practical | IA | Total (ESE+IA/ESE+PRAC) |
|---|---|---|---|---|
| End Semester Examination | 70 | — | — | 70 |
| Practical / Lab Work | — | — | — | — |
| Internal Assessment | — | — | 30 | 30 |
| **Maximum Marks** | **70** | **—** | **30** | **100** |
| **Passing Marks** | **32** | **—** | **13** | **45 (45%)** |

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

## C.3 Course Objectives (COBs)

| COB No. | Course Objectives |
|---|---|
| COB 1 | प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था तथा शिक्षण पद्धतियों का परिचय देना । |
| COB 2 | भारतीय दर्शन, नैतिक मूल्यों और जीवन दृष्टि के महत्त्व को स्पष्ट करना । |
| COB 3 | भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदानों का अध्ययन कराना। |
| COB 4 | व्यक्ति को कर्तव्यपरायण एवं उत्तरदायी नागरिक बनाना । |
| COB 5 | प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था तथा शिक्षण पद्धतियों का परिचय देना । |

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## C.4 Course Outcomes (COs)

| CLO No. | Course Learning Outcome |
|---|---|
| | छात्र प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं से परिचित हो जाएँगे । |
| CLO 2 | गुरु-शिष्य संबंध प्रगाढ़ होगा । |
| CLO 3 | भारतीय ज्ञानपरंपरा का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव का मूल्यांकन करने में छात्र सक्षम होंगे । |
| CLO 4 | प्राचीन भारतीय संस्कृति के मौलिक तत्त्वों के बोध से आधुनिक शिक्षा में उसके महत्व का मूल्यांकन करने की क्षमता आ जाएगी । |



01/07/2026 Smita Kumari 01.07.2026 मनीष कुमार झा

## C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

| Course Name: प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति (MASAN-GE207) | | |
|---|---|---|
| **Unit** | **Content** | **Suggested Lectures hours** |
| I | पुरुषार्थ चतुष्टय, संस्कार, आश्रम व्यवस्था । | 9(L)+3(T) |
| II | गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली, शिक्षा के उद्देश्य, गुरु-शिष्य संबंध । | 9(L)+3(T) |
| III | औपनिषदिक शिक्षा दर्शन। | 9(L)+3(T) |
| IV | प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालय। | 9(L)+3(T) |
| V | स्त्री शिक्षा एवं शिक्षा के विषय। | 9(L)+3(T) |
| | **Total Suggested Lectures** | **60 (For 4 Credit Course)** |
| | **Total Suggested Contact Hours for Practical/Field Work Courses** | **120 Hours/Semester** |

C.6 Prescribed Textbooks-


1. कुमार, दीपक, 2011, ***भारतीय संस्कृति***, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. अग्रवाल, वासुदेवशरण, 2020, ***कला एवं संस्कृति***, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. Altekar Anant Sadashiva, 2009, ***Education in Ancient India***, Gyan publishing House, New Delhi.
4. दिनकर, रामधारी सिंह, 1956, **संस्कृति के चार अध्याय,** उदयाचल, आर्य कुमार रोड,पटना ।
5. द्विवेदी, कपिलदेव, 2004, ***संस्कृत साहित्य का इतिहास*** विश्व भारती अनुसंधान परिषद्, शांतिनिकेतन
6. शर्मा, उमाशंकर, 2008, ***संस्कृत साहित्य का इतिहास***, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी ।


.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

**Internal Assessment (30 marks) breakdown:**

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

***Note:*** *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

*For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.*

Smita Kumari 01.07.2026

मनीष कुमार झा 01/07/2026 01/07/26 01/07/2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## D PART D — GENERAL REGULATIONS & PROVISIONS

### D.1 Attendance & Eligibility

- A student must have a minimum of 75% attendance in each paper to be eligible to appear in the Semester / Annual Examination.
- Condonation of attendance deficiency shall be governed by the Regulation..
- A student detained due to shortage of attendance may appear to the examinations of same semester in the next academic session subject to payment of prescribed fees.

### D.2 Examination & Promotion Rules

- A student is required to clear **at least** 60% (4 out of 6) papers of a particular Semester before being promoted to the succeeding Semester.
- Back / Ex-Student candidates shall be governed by the rules in force at the time of their original admission unless otherwise specificaily notified.
- A candidate who fails in one or more papers shall be required to appear only in the failed paper(s) (Carry Forward System) in subsequent examinations of the same Semester.
- A candidate is required to clear all his papers within a maximum of **Five Years of duration** to qualify for the degree.

### D.3 Grading System (CBCS)

| Letter Grade | % Range | Grade Point | Performance Description | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| O | ≥90-100 | 10 | Outstanding | Pass |
| A+ | ≥80<90 | 9 | Excellent | Pass |
| A | ≥70<80 | 8 | Very Good | Pass |
| B+ | ≥60<70 | 7 | Good | Pass |
| B | ≥55<60 | 6 | Above Average | Pass |
| C | ≥50<55 | 5 | Average | Pass |
| P | ≥45<50 | 4 | Pass | Pass |
| F | <45 | 0 | Fail | Fail |
| Ab/M | 0 | 0 | Absent/Malpractice | Fail / Reappear |

Smita Kumari 01.07.2026

01/07/26 मनीष कुमार झा 01/07/2026 01/07/2026

24.07.26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

## PART E — ABBREVIATIONS & AUTHENTICATION

### E.1 List of Abbreviations

| Abbr. | Expansion | Abbr. | Expansion |
|---|---|---|---|
| **CC** | Core Course | **DSE** | Discipline Specific Elective |
| **GE** | Generic Elective | **OE** | Open Elective |
| **AEC** | Ability Enhancement Course | **VAC** | Value Added Course |
| **SEC** | Skill Enhancement Course | **IKS** | Indian Knowledge System |
| **L** | Lecture (hours per week) | **T** | Tutorial (hours per week) |
| **P** | Practical (hours per week) | **IA** | Internal Assessment |
| **CCA** | Continuous & Comprehensive Assess. | **CLO** | Course Learning Outcome |
| | | | |
| **PLO** | Programme Learning Outcome | **GA** | Graduate Attribute |
| **NHEQF** | National HE Qualifications Framework | **PROJ** | Project / Dissertation |

### E.2 Authentication

01/07/26
**Dr. Manoj Kumar**
Professor,
[University Department of Sanskrit]
[B. R.A. Bihar University, Muzaffarpur]
Date: 01-07-2026

Smita Kumari 01.07.2026
**Dr. Smita Kumari**
Associate Professor
[Department of Sanskrit]
Patna Women's College, Patna]
Date: 01-07-2026

01/07/2026
**Dr Harish Das**
Assistant Professor
[P.G. Department of Sanskrit]
[Patna University, Patna]
Date: 01-07-2026

मनीष कुमार झा 01/07/2026
**Dr. Manish Kumar Jha**
Assistant Professor (Senio Grade)
[University Department of Sanskrit]
[B. R.A. Bihar University, Muzaffarpur]
Date: 01-07-2026

24.07.26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)